

Acharya in Falitajyotisha

| Title of the Course | Course Code | Course Outcomes |
|---------------------------------------|-----------------|---|
| Siddhantashastram | VVFJ-101 | छात्राः सिद्धान्तज्योतिषस्य परिचयं ज्ञास्यन्ति। |
| | | कालपरिभाषा, अहर्गणं, ग्रहयुति-स्पष्टादिविषये ज्ञातुं सक्षमाः भविष्यन्ति। |
| | | दिग्देशकालादिनिर्णये कुशला भविष्यन्ति। |
| Kundalividhanam | VVFJ-102 | छात्राः पञ्चाङ्गस्य अङ्गानां परिचयञ्च ज्ञास्यन्ति। |
| | | विविधसंवत्सराणां नामानि राशीनां विषये ज्ञातुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | लग्नानयने, अक्षांशसाधने, जन्माङ्गचक्रमित्यादिनिर्माणे कुशला भविष्यन्ति। |
| Samhitashastram | VVFJ-103 | छात्राः संहिताज्योतिषस्य परिचयं ज्ञास्यन्ति। |
| | | दैवज्ञलक्षणान् ज्ञातुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | ग्रहाणामाचारमनुसृत्य फलकथने कुशला भविष्यन्ति। |
| | | मेघगर्भनिर्धारणं, वृष्ट्यादिफलकथने निपुणा भविष्यन्ति। |
| Svashastretihasah Nibandhascha | VVFJ-104 | छात्राः ज्योतिषशास्त्रस्याचार्याणां परिचयं ज्ञास्यन्ति। |
| | | वेदाङ्ग-पुराण-महाभारतादिषु ग्रन्थेषु वर्णितं ज्योतिषस्य स्वरूपं ज्ञास्यन्ति। |
| | | ज्योतिषशास्त्रे निबन्धलेखने कुशला भविष्यन्ति। |
| Siddhantashastram | VVFJ-201 | ग्रहाणां युति, गत्यादिभेदान् ज्ञास्यन्ति। |
| | | भूगोलस्य सैद्धान्तिकपक्षस्य ज्ञानं कर्तुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | विविधकालमानानां साधने निपुणा भविष्यन्ति। |
| Falitavidhanam | VVFJ-202 | द्वादशभावानां परिचयं नामानि च ज्ञास्यन्ति। |
| | | द्वादशभावजनितविषयाणां फलञ्च ज्ञातुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | जन्माङ्गाधारेण फलकथने निपुणा भविष्यन्ति। |
| Vastushastram | VVFJ-203 | वास्तोः उत्पत्तिं स्वरूपञ्च ज्ञास्यन्ति। |
| | | भूपरीक्षणं, भेदादिज्ञानं तथा च पिण्डसाधनं कर्तुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | विविधगृहप्रवेशान्, दकार्गलं वाटिकारोपणञ्च कर्तुं निपुणाः भविष्यन्ति। |
| Samhitashastram | VVFJ-204 | भूकम्पादिवैज्ञानिकविषयान् ज्ञास्यन्ति। |
| | | त्रिविधोत्पातानां, परिवेषादीनां ज्ञानं कर्तुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | प्रासाद-प्रतिमा-रत्नादिविषये ज्योतिषदृशा विषयज्ञानं कर्तुं निपुणा भविष्यन्ति। |
| Jyotirvigyanam | VVFJ-301 | खगोलस्याध्यायनेन ग्रहादीनां दर्शने सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | वेधशालायां प्रयोगं कर्तुं सिद्धा भविष्यन्ति। |
| | | प्राचीनार्वाचीनखगोलविज्ञाने तुलनात्मकमध्ययने कुशला भविष्यन्ति। |
| Falitavidhanam | VVFJ-302 | ज्योतिषशास्त्रे वर्णितारिष्टारिष्टभङ्गादियोगानां लक्षणानि ज्ञास्यन्ति। |
| | | राजयोगादीनां ज्ञानं प्राप्स्यन्ते। |
| | | गजकेसर्यादिप्रमुखयोगानां कुण्डलीमाध्यमेन लक्षणानि फलञ्च कर्तुं निपुणा भविष्यन्ति। |

| | | |
|------------------------------------|-----------------|---|
| Horashastram | VVFJ-303 | भावाश्रितफलकथने सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | आयुरोगनिर्णयञ्च कर्तुं सिद्धा भविष्यन्ति। |
| | | अष्टवर्गोचरफलञ्च ज्ञातुं कुशला भविष्यन्ति। |
| Samudrikam Svarashastrancha | VVFJ-304 | हस्तरेखादिज्ञाने सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | अङ्गलक्षणादिभिः फलकर्तुं सिद्धा भविष्यन्ति। |
| | | स्वरशास्त्रीत्या फलकथने कुशला भविष्यन्ति। |
| Jatakashastram | VVFJ-401 | पलभा-लग्नादिसाधने निपुणा भविष्यन्ति। |
| | | ग्रहाणां बलाबलज्ञानं करिष्यन्ति। |
| | | विविधयोगान् ज्ञास्यन्ति आयुर्दायसाधने च कुशला भविष्यन्ति। |
| Devavastuvidhanam | VVFJ-402 | वास्तोः मूलभूतसिद्धान्तानां परिज्ञानं करिष्यन्ति। |
| | | देवप्रतिमास्थापनामुखादिन्यासे सिद्धा भविष्यन्ति। |
| | | वास्तोः जीर्णोद्धारे निपुणा भविष्यन्ति। |
| Falitavidhanam | VVFJ-403 | होरास्कन्धस्य विशिष्टज्ञानं प्राप्स्यन्ते। |
| | | जन्माङ्गाधारेण विविधयोगानामध्ययनं करिष्यन्ति। |
| | | द्वादशभावादीनां फलनिरूपणं कर्तुं सक्षमा भविष्यन्ति। |
| Kritishijyotisham | VVFJ-404 | भारतीयकृषिपद्धतेः ज्ञानं करिष्यन्ति। |
| | | विविधस्थलभेदेन कृषिपद्धतीन् अनुकरणे सक्षमा भविष्यन्ति। |
| | | मुहूर्तादिकृषिप्रक्रियायां कुशला भविष्यन्ति। |